

## उत्तराखण्ड शासन

## ऊर्जा अनुभाग-1

संख्या- 04 /1/2014-01/01/2014

देहरादून : दिनांक : 13 नवम्बर, 2014

अधिसूचना

राज्यपाल, विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 162 की उपधारा (1) सपठित केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सुरक्षा तथा विद्युत आपूर्ति सम्बन्धी उपाय) विनियम, 2010 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके और इस विषय में पूर्व में विद्यमान आदेशों को अधिक्रमित करके निम्नलिखित आदेश जारी करते हैं :-

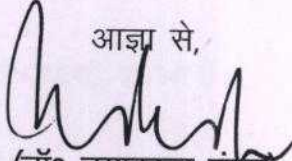
संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ :-

1. (1) यह आदेश "उत्तराखण्ड विद्युत निरीक्षणालय (सुरक्षा सम्बन्धी उपाय), 2014 है।
- (2) यह आदेश अधिसूचना जारी होने के दिनांक से प्रवृत्त होंगे।
2. (1) अधिष्ठापनों का नियतकालिक निरीक्षण एवं परीक्षण (केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सुरक्षा तथा विद्युत आपूर्ति सम्बन्धी उपाय) विनियम, 2010 के विनियम 30(1) के अन्तर्गत), विद्युत निरीक्षक द्वारा नीचे विनिर्दिष्ट अन्तरालों पर किया जायेगा :-
 

(क) 650 वोल्ट से अधिक वोल्टता के अधिष्ठापन	दो वर्ष
(ख) 250 वोल्ट से अधिक परन्तु 650 वोल्ट से अनधिक वोल्टता के अधिष्ठापन	तीन वर्ष
(ग) 250 वोल्ट तक की वोल्टता के अधिष्ठापन	पाँच वर्ष
- (2) आपूर्तिकर्ता के 650 वोल्ट से अधिक वोल्टता वाले अधिष्ठापनों का नियतकालिक निरीक्षण एवं परीक्षण (केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सुरक्षा तथा विद्युत आपूर्ति सम्बन्धी उपाय) विनियम, 2010 के विनियम 30(2) के अन्तर्गत), विद्युत निरीक्षक द्वारा पाँच वर्ष में एक बार किया जायेगा।
3. 10 किलोवाट से अधिक क्षमता के जनरेटिंग स्टेशन की जाँच (केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सुरक्षा तथा विद्युत आपूर्ति सम्बन्धी उपाय) विनियम, 2010 के विनियम 32 के अन्तर्गत) विद्युत निरीक्षक द्वारा चालू होने से पहले की जायेगी।



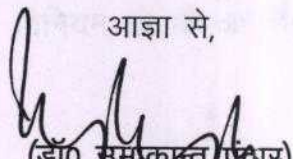
4. 15 मीटर से अधिक ऊँचाई वाली बहुमंजिला इमारतों की जाँच (केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सुरक्षा तथा विद्युत आपूर्ति सम्बन्धी उपाय) विनियम, 2010 के विनियम 36 के अन्तर्गत), किसी भी कनैक्टेड लोड पर सप्लाय वोल्टेज 250 वोल्ट से अधिक होने पर, चालू किये जाने से पूर्व विद्युत निरीक्षक द्वारा की जायेगी।
5. 650 वोल्ट से अधिक वोल्टता के अधिष्ठापनों का निरीक्षण (केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सुरक्षा तथा विद्युत आपूर्ति सम्बन्धी उपाय) विनियम, 2010 के विनियम 43 के अन्तर्गत) विद्युत आपूर्ति प्रारम्भ करने से पहले या छः माह या इससे अधिक तक के शटडाउन के बाद विद्युत आपूर्ति फिर से बहाल करने से पहले विद्युत निरीक्षक द्वारा किया जायेगा।

आज्ञा से,  
  
 (डॉ० उमाकान्त पंडेय)  
 सचिव

संख्या-04- /1/2014-01/01/2014, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
2. आयुक्त कुमाऊँ/गढ़वाल मण्डल, उत्तराखण्ड।
3. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक उ०पा०का०लि०, देहरादून।
5. अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक उ०ज०वि०नि०लि०, देहरादून।
6. प्रबन्ध निदेशक पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन ऑफ उत्तराखण्ड लि०, देहरादून।
7. सचिव, उत्तराखण्ड विद्युत नियामक आयोग।
8. निदेशक, उरेडा, देहरादून।
9. विद्युत निरीक्षक, विद्युत सुरक्षा विभाग, हल्द्वानी।
- ✓ 10. निदेशक, एन०आई०सी०, देहरादून।
11. उपनिदेशक राजकीय फोटो लिथो प्रेस, रुड़की को इस कथन के साथ कि इसे शासकीय गजट के आगामी अंक में प्रकाशन कर 100 प्रतियां शासन को उपलब्ध कराने का कष्ट करें। **संज्ञन (हिंदी, अंग्रेजी)**
12. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,  
  
 (डॉ० उमाकान्त पंडेय)  
 सचिव